

विधाता तोड़ बता दे संकट मेट दे भजन लिरिक्स



विधाता तोड़ बता दे संकट मेट दे,
थारा सरणागत भगतां री,
राखी लाज विधाता,
तोड़ बता दे संकट कियौ मिते।bd।

विधाता धरम मरयादा मिनखां छोड़ दी,
पापी कपटी करबा लाग्या अत्याचार,
विधाता तोड़ बता दे संकट कियौ मिते।bd।

विधाता रचियोड़ी रचना मिनखां छोड़ दी,
बाने सूझे कोनी बचबा रो उपाय,
विधाता तोड़ बता दे संकट कियौ मिते।bd।

विधाता सुख में टाबरिया थाने भूलगा,
जोड़े दुख वाली बेळ्यां में सगला हाथ,
विधाता तोड़ बता दे संकट कियौ मिते।bd।

विधाता धन और जोबन को होरो मिट गयो,
अब तो थारे ऊपर सगला छोड़ी आस,
विधाता तोड़ बता दे संकट कियौ मिते।bd।

विधाता टाबर म्हे थारा थे तो नाथ हो,
थारा आच्छा भूंडा भगतां री पुकार,
विधाता तोड़ बता दे संकट कियौ मिते।bd।

विधाता तोड़ बता दे संकट मेट दे,
थारा सरणागत भगतां री,
राखी लाज विधाता,
तोड़ बता दे संकट कियौ मिते।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



स्वर – अपेक्षा स्नेहा पारीक जायल ।
लेखक/प्रेषक – सुभाष चंद्र पारीक, जायल ।
9784075304
